Process of development of creativity

सृजनात्मकता के विकास की प्रक्रिया।

(1) तैयारी की अवस्था (Preparation)
(2) उद्भावन (Incubation)
(3) उद्भासन (Illumation)

Scanned with CamScanner

4. मूल्यांकन (Evaluation)
5. पुनरावर्तन (Revision)

1. Preparation :- प्रथम अवस्था तैयारी की अवस्था में विचारक अपनी समस्या को स्पष्ट करता है। समस्या के समाधान के लिए दिशा व्यक्ति आवश्यक समझता है उन सामग्री एवं तथ्यों को एकत्र करता है यह अध्ययन का समय होता है। इस काल में व्यक्ति तथ्यों को सुनिश्चित करता है।

2. Incubation :- इस काल में विचार मंद पड़ने लगते हैं जो समस्या समाधान में बाधक हो। दूसरी ओर यह उन संकेतों का आभास स्पष्ट करता है जो समस्या में सहायक होते हैं।

3- Illumanation :- इस अवस्था में व्यक्ति समस्या की मुख्य बातों को समझ लेता है। अनेक सृजनशील व्यक्ति इस बात की पुष्टि करते हैं कि सृजनात्मक विचार अचानक से उत्पन्न होते हैं।

Scanned with CamScanner

4. Evaluation :- इस अवस्था में व्यक्ति अपने सारे प्रयत्नों का मूल्यांकन करता है। गलत हो जाने पर अक्सर ऐसा होता है कि विद्यार्थी जहाँ से शुरू हुआ था फिर से उसी जगह पर पहुँच जाता है।

5. Revision :- मूल्यांकन के बाद यदि कुछ परिवर्तन जरूरी हो तो अथवा अन्य अपेक्षाकृत गौण समस्या के समाधान अपेक्षा होती है। तब वह पुनर्निरीक्षण अथवा पुनरावलोकन करता है